*परमार शासक **वाक्यपति मुंज ने 'मुंजसागर' नामक तालाब बनवाया** था। *उसने **श्रीवल्लभ, पृथ्वीवल्लभ, अमोघवर्ष** आदि उपाधियां धारण कीं। *उसके छोटे भाई **सिंधुराज ने कुमारनारायण तथा साहसांक** जैसी उपाधियां धारण कीं। ***राजा भोज परमार शासक** था, परमारों का पहले शासन केंद्र उज्जैन था तत्पश्चात **राजधानी धार में स्थानांतरित कर दी** गई। *राजा भोज ने धार से शासन किया। *इनके द्वारा कृत्रिम वैज्ञानिक उपकरणों पर लिखी गई प्रसिद्ध पुस्तक **'समरांगणसूत्राधार'** है। *यह वास्तुशास्त्र से संबंधित ग्रंथ है। इस ग्रंथ में 83 अध्याय हैं। इसके 31वें अध्याय (यंत्रविधान) में अनेक यंत्रों का वर्णन है। *'सरस्वती कंठाभरण', 'सिद्धांत संग्रह', 'योग सूत्र वृत्ति', 'राजमार्तंड', 'विद्या विनोद', 'युक्ति कल्पतरु' तथा 'चारुचर्या' इनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाएं हैं। ***भोजशाला मंदिर** म.प्र. के **धार जिले में** स्थित है। *यहां पर **वाग्देवी (भगवती सरस्वती देवी) अधिष्ठात्री** (स्थापित) है। ***भोजशाला मंदिर का निर्माण** परमार शासक राजा **भोज ने संस्कृत पाठशाला के रूप में** करवाया था। ***अब भोजशाला कमाल मौला मस्जिद परिसर में स्थित** है।

***'गौडवहो'** कन्नौज के राजा यशोवर्मन के राजाश्रित कवि **वाक्पति** की रचना है।

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में से कौन शासक 'पृथ्वीराज चौहान' के नाम से प्रसिद्ध है?

(a) पृथ्वीराज प्रथम (b) पृथ्वीराज द्वितीय
(c) पृथ्वीराज तृतीय (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

अजमेर का शासक पृथ्वीराज तृतीय (1177-1192 ई.) ही 'पृथ्वीराज चौहान' के नाम से प्रसिद्ध है, जिसने 1191 ई. में तराइन के प्रथम युद्ध में मुहम्मद गोरी को पराजित किया था, परंतु 1192 ई. में तराइन के द्वितीय युद्ध में उसकी पराजय हुई थी।

2. ताम्रपत्र लेख दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में बिहार के राजाओं का संपर्क था–

(a) बर्मा से (b) थाईलैंड से
(c) कंबोडिया (d) जावा-सुमात्रा से

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

पालवंशी शासक देवपाल बौद्ध मतानुयायी था। उसने जावा के शैलेंद्रवंशी शासक बालपुत्रदेव के अनुरोध पर उसे नालंदा में एक बौद्ध विहार बनवाने के लिए पांच गांव दान में दिए थे।

3. सुवर्णभूमि का वह राजा कौन था, जिसने नालंदा में एक बौद्ध विहार की स्थापना की तथा उसके रख-रखाव हेतु अपने दूत द्वारा देवपाल से पांच गांव दान में देने के लिए प्रार्थना की?

(a) धरणीन्द्र (b) संग्रामधनंजय
(c) बालपुत्रदेव (d) चूड़ामणिवर्मन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

सुवर्णभूमि के शासक बालपुत्रदेव ने नालंदा में एक बौद्ध विहार की स्थापना की तथा उसके रख-रखाव हेतु अपने दूत द्वारा देवपाल से पांच गांव देने के लिए प्रार्थना की थी।

4. गोविंदचंद्र गहड़वाल की एक रानी कुमारदेवी ने धर्मचक्र-जिन विहार कहां बनवाया था?

(a) बोधगया (b) राजगृह
(c) कुशीनगर (d) सारनाथ

U.P.P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(d)

गोविंदचंद्र गहड़वाल की रानी कुमारदेवी बौद्ध मतानुयाई थीं। उन्होंने सारनाथ में धर्मचक्र-जिन विहार बनवाया था। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

5. हम्मीर महाकाव्य में चौहानों को बताया गया है–

(a) चंद्रवंशी (b) ब्राह्मण
(c) यदुवंशी (d) सूर्यवंशी

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

हम्मीर महाकाव्य में चौहानों को सूर्यवंशी बताया गया है। हम्मीर महाकाव्य और पृथ्वीराज विजय के अनुसार, चौहान सूर्य के पुत्र चाहमान नामक अपने पूर्वज के वंशज थे। वे चार अग्निकुलों में से एक थे।

6. आल्हा-ऊदल संबंधित थे–

(a) चंदेरी से (b) विदिशा से
(c) महोबा से (d) पन्ना से

M.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

आल्हा-ऊदल महोबा से संबंधित थे। ये चंदेल शासक परमार्दिदेव (परमल) (1165-1203 ई.) के सेनानायक थे, जो 1182 ई. में पृथ्वीराज चौहान के आक्रमण का डटकर सामना करने के बाद वीरगति को प्राप्त हुए। चंदेलों एवं चौहानों के इस संघर्ष का वर्णन चंदबरदाई कृत 'पृथ्वीराज रासो' एवं जगनिक कृत परमाल रासो के 'आल्हाखंड' से प्राप्त होता है।

Scanned with OKEN Scanner

7. 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं–
(a) कल्हण (b) बिल्हण
(c) जयानक (d) चंदबरदाई
43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

चौहानवंशी शासक पृथ्वीराज III (रायपिथौरा) के दरबारी कवि चंदबरदाई ने 'पृथ्वीराज रासो' की रचना की। इसमें चौहानों को अग्निकुंड से उत्पन्न बताया गया है।

8. 'पृथ्वीराज विजय' का लेखक कौन है?
(a) चंदबरदाई (b) पृथ्वीराज चौहान
(c) जयानक (d) नयनचंद सूरि
R.A.S./R.T.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

'पृथ्वीराज विजय' के लेखक जयानक हैं।

9. निम्नलिखित युग्मों में से कौन एक सुमेलित नहीं है?
(a) अब्दुर रहमान - हमीर रासो
(b) चंदबरदाई - पृथ्वीराज रासो
(c) जगनिक - आल्हाखंड
(d) नरपति नाल्ह - बीसलदेव रासो
U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(a)

हमीर रासो की रचना सारंगधर ने की थी। अन्य सभी विकल्प सुमेलित हैं।

10. निम्नलिखित राजपूत वंशों में से किसने, आठवीं शताब्दी में, दिलिका (देहली) शहर की स्थापना की थी?
(a) परमार वंश (b) सोलंकी वंश
(c) तोमर वंश (d) चौहान वंश
M.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(c)

आठवीं शताब्दी में दिलिका (देहली) शहर की स्थापना तोमर वंश के अनंगपाल ने की। चंदबरदाई की रचना 'पृथ्वीराज रासो' में तोमर वंश के राजा अनंगपाल को दिल्ली का संस्थापक बताया गया है। बाद में चौहान शासकों ने दिल्ली को अपने अधिकार में ले लिया।

11. जेजाकभुक्ति प्राचीन नाम था–
(a) बघेलखंड का
(b) बुंदेलखंड का
(c) मालवा का
(d) विदर्भ का
U.P.P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(b)

जेजाकभुक्ति बुंदेलखंड का प्राचीन नाम था। चंदेल वंश के संस्थापक नन्नुक के पौत्र जयसिंह या जेजा के नाम पर यह प्रदेश जेजाकभुक्ति कहलाया।

12. धंगदेव किस वंश का शासक था?
(a) जेजाकभुक्ति के चंदेल
(b) मालवा के परमार
(c) महिष्मति के कलचुरी
(d) त्रिपुरी के कलचुरी
M.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(a)

जेजाकभुक्ति के चंदेलों में धंगदेव सबसे प्रसिद्ध एवं शक्तिशाली राजा हुआ। वह वैदिक अथवा ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था। इसने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की। धंग ने प्रयाग के संगम में शिव की आराधना करते हुए शरीर का त्याग किया।

13. निम्नलिखित शासकों के नाम सही कालक्रमानुसार संयोजित कर अपना उत्तर नीचे दिए गए कूट से चयन कीजिए-
1. विद्याधर 2. धंग
3. यशोवर्मा 4. कीर्तिवर्मा
कूट :
(a) 3, 2, 1, 4 (b) 1, 3, 2, 4
(c) 3, 1, 4, 2 (d) 2, 3, 1, 4
U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर–(a)

विकल्प में दिए गए शासकों का लगभग कालानुक्रम है- यशोवर्मा (930 - 950 ई.), धंग (950- 1002 ई.), विद्याधर (1019-1029 ई.) तथा कीर्तिवर्मा (1060- 1100 ई.)।

14. चित्तौड़ के 'त्रिभुवन नारायण मंदिर' को किसने बनवाया?
(a) राणा प्रताप ने
(b) राजा धंग ने
(c) परमार राजा भोज ने
(d) पृथ्वीराज चौहान ने
M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

परमार राजा भोज ने चित्तौड़ में त्रिभुवन नारायण का मंदिर बनवाया था। भोज ने अनेक पुस्तकों की रचना की। इनकी रचनाओं में सरस्वतीकंठभरण, शृंगार प्रकाश, प्राकृत व्याकरण, कूर्मशतक, शृंगारमंजरी आदि उल्लेखनीय हैं।

Scanned with OKEN Scanner

15. पुंड्रवर्धन भुक्ति अवस्थित थी–
(a) उत्तर बंगाल में (b) बिहार में
(c) ओडिशा में (d) असम में
U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(a)

प्राचीन काल में पुंड्रवर्धन भुक्ति उत्तर बंगाल के क्षेत्र में अवस्थित थी। पाल, चंद्र एवं सेन राजवंशों के युग में इसके क्षेत्राधिकार का विस्तार उत्तर बंगाल के बाहर भी था।

16. पाल वंश का संस्थापक कौन था?
(a) धर्मपाल (b) देवपाल
(c) गोपाल (d) रामपाल
U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(c)

पाल वंश का संस्थापक गोपाल था। पाल वंश एक क्षत्रिय वंश था। वह बौद्ध मतानुयायी था तथा नालंदा में उसने एक विहार का निर्माण करवाया था।

17. 'ओदंतपुर' शिक्षा केंद्र निम्न में से किस राज्य में अवस्थित था?
(a) बंगाल (b) बिहार
(c) गुजरात (d) तमिलनाडु
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

ओदंतपुर जिसे उदनापुर भी कहा जाता है, प्राचीन काल में एक प्रमुख शिक्षा केंद्र था। यह बिहार राज्य में अवस्थित था। इसकी स्थापना पाल वंश के प्रथम शासक गोपाल ने की थी।

18. निम्नलिखित में से किसने सोमपुर महाविहार का निर्माण कराया था?
(a) कुमारगुप्त I (b) हर्ष
(c) धर्मपाल (d) विजयसेन
U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(c)

धर्मपाल ने विक्रमशिला तथा सोमपुरी (पहाड़पुर) में प्रसिद्ध विहारों की स्थापना की थी। उसकी राजसभा में प्रसिद्ध बौद्ध लेखक हरिभद्र निवास करता था। तारानाथ के अनुसार, उसने 50 धार्मिक विद्यालयों की स्थापना करवाई थी, किंतु राजा के रूप में उसमें धार्मिक असहिष्णुता एवं कट्टरता नहीं थी।

19. विक्रमशिला नामक प्राचीन विश्वविद्यालय की स्थापना बंगाल के किस शासक ने की?
(a) धर्मपाल (b) गोपाल
(c) देवपाल (d) महीपाल
Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011
U.P.P.C.S. (Pre) 2008
43rd B.P.S.C. (Pre) 1999
U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 1994

उत्तर–(a)

विक्रमशिला के प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय की स्थापना बंगाल के पाल वंशीय शासक धर्मपाल (770-810 ई.) द्वारा की गई थी। नालंदा विश्वविद्यालय के पतन के बाद यह बौद्ध धर्म के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हुआ।

20. उस पाल शासक का नाम बताइए, जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय स्थापित किया?
(a) धर्मपाल (b) देवपाल
(c) रामपाल (d) गोपाल
U.P.P.C.S. (Pre) 2008
U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008
43rd B. P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. विक्रमशिला महाविहार की स्थापना किस वंश के शासक द्वारा करवाई गई थी?
(a) पुष्यभूति वंश (b) वर्मन वंश
(c) सेन वंश (d) पाल वंश
U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. निम्नलिखित में से किस शासक ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी?
(a) गोपाल (b) देवपाल
(c) महीपाल I (d) धर्मपाल
U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. प्राचीन भारत के एक महान शिक्षा केंद्र विक्रमशिला महाविहार की स्थापना की थी–
(a) कुमारगुप्त I ने (b) हर्ष ने

Scanned with OKEN Scanner

(c) धर्मपाल ने (d) लक्ष्मणसेन ने

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

U.P. Lower (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. निम्नलिखित में से कौन विक्रमशिला विश्वविद्यालय के संस्थापक थे?

(a) गोपाल (b) धर्मपाल

(c) देवपाल (d) महिपाल

U.P. P.C.S. (Pre) 2015

U.P. P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. विक्रमशिला विश्वविद्यालय इनमें से आज के किस राज्य में अवस्थित था?

(a) मध्य प्रदेश (b) ओडिशा

(c) बिहार (d) झारखंड

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

पालवंश के शासक धर्मपाल ने बिहार राज्य के भागलपुर में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। यहां बौद्ध धर्म और दर्शन के अतिरिक्त न्याय, तत्वज्ञान, व्याकरण आदि की शिक्षा दी जाती थी। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध विद्वानों में रक्षित, जेतारि, विरोचन, रत्नाकर, शांति, ज्ञानश्री, दीपंकर आदि के नाम प्रसिद्ध हैं। दीपंकर ने लगभग 200 ग्रंथों की रचना की। बख्तियार खिलजी ने इस विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया।

26. निम्नलिखित में से किस/किन राजा/राजाओं को जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुना गया?

1. हर्षवर्धन

2. गोपाल

3. यशोवर्मन

4. नंदिवर्मन पल्लवमल्ल

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए-

कूट-

(a) केवल 1, 2 और 4

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 2 और 4

(d) केवल 2 और 3

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

पाल वंश के संस्थापक 'गोपाल' एवं पल्लव शासक 'नंदिवर्मन पल्लवमल्ल' को जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुना गया था। धर्मपाल के खालीमपुर अभिलेख से पता चलता है कि "मत्स्य न्याय से छुटकारा पाने के लिए प्रकृतियों (सामान्य जनता) ने गोपाल को लक्ष्मी की बांह ग्रहण कराई।" पल्लव शासक परमेश्वरवर्मन की आकस्मिक मृत्यु के उपरांत कांची के लोगों ने उसी वंश की एक शाखा के राजकुमार नंदिवर्मन पल्लवमल्ल को शासक के रूप में चुना था। यह हिरण्य वर्मा का पुत्र था।

27. निम्नलिखित स्थानों में से कौन-सा स्थान पूर्वमध्यकाल में शिक्षा का केंद्र नहीं था?

(a) नालंदा (b) विक्रमशिला

(c) तक्षशिला (d) ओदंतपुर

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

वर्तमान पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले में स्थित तक्षशिला प्राचीन समय में गांधार राज्य की राजधानी थी। प्राचीन काल में तक्षशिला शिक्षा एक प्रसिद्ध केंद्र था। यहां अध्ययन के लिए दूर-दूर से विद्यार्थी आते थे, जिनमें राजा तथा सामान्यजन दोनों ही सम्मिलित थे। कोशल के राजा प्रसेनजित, बिंबिसार का राजवैद्य जीवक, कनिष्क का राजवैद्य चरक, बौद्ध विद्वान वसुबंधु, चाणक्य आदि ने यहीं शिक्षा प्राप्त की थी। बौद्ध साहित्य से पता चलता है कि यह वैद्यक एवं धनुर्विद्या की शिक्षा के लिए विश्व में प्रसिद्ध था। पांचवीं सदी के मध्य गुप्तों के समय में नालंदा स्थित विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। सर्वप्रथम कुमारगुप्त प्रथम ने नालंदा बौद्ध विहार को दान दिया और बाद में बुधगुप्त, तथागत गुप्त तथा बालादित्य नामक गुप्त शासकों ने भी इस विहार को दान दिए। पाल वंश के शासक धर्मपाल ने 8वीं शताब्दी में बिहार राज्य के भागलपुर में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की। पाल वंश के काल में ओदंतपुर में भी एक विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

28. निम्नलिखित में से किसने राष्ट्रकूट साम्राज्य की नींव रखी?

(a) अमोघवर्ष I (b) दंतिदुर्ग

(c) ध्रुव (d) कृष्ण I

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर–(b)

राष्ट्रकूट वंश की स्थापना 736 ई. में दंतिदुर्ग ने की। दंतिदुर्ग के संबंध में कहा जाता है कि उज्जयिनी में उसने हिरण्यगर्भ (महादान) यज्ञ करवाया था।

29. निम्नलिखित में से किसने 'हिरण्यगर्भ' धार्मिक कार्य कराया था?

(a) मयूर शर्मन (b) हरीचंद्र

Scanned with OKEN Scanner

(c) दंतिदुर्ग (d) हर्ष

U.P. P.C.S. (Re. Exam) (Pre) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. निम्नलिखित में से कौन अपने पिता के अभियानों के क्रम में सैनिक छावनी में पैदा हुआ था?

(a) अमोघवर्ष राष्ट्रकूट (b) भोज परमार

(c) धर्मपाल (d) नागभट्ट II प्रतिहार

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(a)

राष्ट्रकूट राजा अमोघवर्ष I का जन्म 800 ई. में नर्मदा नदी के किनारे श्रीभावन नामक स्थान पर सैनिक छावनी में हुआ था। इस समय इसके पिता राष्ट्रकूट राजा गोविंद III, उत्तर भारत के सफल अभियानों के बाद वापस लौट रहे थे।

31. महानतम प्रतिहार राजा था–

(a) धर्मपाल (b) हर्ष

(c) मिहिरभोज (d) महेंद्रपाल

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(c)

प्रतिहार वंश का महानतम शासक मिहिरभोज था। इसका शासनकाल 836-885 ई. था। धर्मपाल पाल वंश का राजा था, जिसका शासनकाल 770-810 ई. तक था। महेंद्रपाल प्रतिहार शासक था, इसका शासनकाल 885-910 ई. तक रहा। जबकि हर्ष पुष्यभूति वंश का शासक था, इसका शासनकाल 606-647 ई. था।

32. गुर्जर प्रतिहार शासकों में से किसकी उपाधि 'आदिवाराह' थी?

(a) वत्सराज (b) नागभट्ट II

(c) मिहिरभोज (d) नागभट्ट I

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

मिहिरभोज गुर्जर-प्रतिहारों का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। वह वैष्णव धर्मानुयायी था तथा उसने 'आदिवाराह' एवं 'प्रभास' जैसी उपाधियां धारण की थीं।

33. निम्नलिखित ऐतिहासिक व्यक्तियों के नाम कालक्रमानुसार संयोजित कर नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

1. नागभट्ट II **2. महीपाल**

3. महेंद्रपाल **4. वत्सराज**

कूट :

(a) 2, 3, 1, 4 (b) 4, 1, 3, 2

(c) 1, 2, 3, 4 (d) 3, 1, 4, 2

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(b)

शासकों का सही कालानुक्रम है–वत्सराज (775-800 ई.), नागभट्ट द्वितीय (800-833 ई.), महेंद्रपाल प्रथम (885-910 ई.) एवं महीपाल (912-944 ई.)। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

34. निम्नलिखित में से कौन-सा शासक गुर्जर-प्रतिहार राजवंश से संबंधित नहीं है?

(a) नागभट्ट II (b) महेंद्रपाल I

(c) देवपाल (d) भरत्रभट्ट I

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

अग्निकुल के राजपूतों में सर्वाधिक प्रसिद्ध प्रतिहार वंश था, जो गुर्जरों की शाखा से संबंधित होने के कारण इतिहास में गुर्जर प्रतिहार कहा जाता है। पुलकेशिन II के ऐहोल अभिलेख में गुर्जर जाति का उल्लेख सर्वप्रथम हुआ है। गुर्जर प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट I (730-756 ई.) था। इस वंश के अन्य शासकों में वत्सराज (775-800 ई.), नागभट्ट II (800-833 ई.), मिहिरभोज I (836-885 ई.), महेंद्रपाल I (885-910 ई.), देवपाल (948-49 ई.) इत्यादि आते हैं। इस वंश के शासकों में भरत्रभट्ट I का नाम नहीं आता है।

35. महान जैन विद्वान हेमचंद्र, किसकी सभा को अलंकृत करते थे?

(a) अमोघवर्ष (b) कुमारपाल

(c) जयसिंह सिद्धराज (d) विद्याधर

U.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

महान जैन विद्वान हेमचंद्र ने सोलंकी वंश के जयसिंह सिद्धराज के समय में प्रमुखता प्राप्त की थी तथापि वे उसके उत्तराधिकारी कुमारपाल (1143-1172 ई.) के सलाहकार के रूप में उसकी सभा को अलंकृत करते थे।

36. निम्नलिखित में से किसे एक नया संवत् चलाने का यश प्राप्त है?

(a) धर्मपाल (b) देवपाल

(c) विजय सेन (d) लक्ष्मण सेन

U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

लक्ष्मण सेन (1178-1206) सेन वंश के शासक थे। इन्होंने 28 वर्षों तक शासन किया। इनके द्वारा एक नए संवत् 'लक्ष्मण संवत्' का प्रारंभ किया गया।

37. लक्ष्मण संवत् का प्रारंभ निम्नलिखित किस वंश द्वारा किया गया था?

(a) प्रतिहारों द्वारा (b) पालों द्वारा

(c) चौहानों द्वारा (d) सेनों द्वारा

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. निम्नलिखित में से कौन-से मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध विधिवेत्ता थे?

1. विज्ञानेश्वर
2. हेमाद्रि
3. राजशेखर
4. जीमूतवाहन

नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4
(c) 1, 2 और 4 (d) 1 और 4

I.A.S. (Pre) 1995
U.P.P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

विज्ञानेश्वर, हेमाद्रि एवं जीमूतवाहन मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध विधिवेत्ता थे। विज्ञानेश्वर ने याज्ञवल्क्य स्मृति पर 'मिताक्षरा' शीर्षक से टीकाग्रंथ लिखा। जीमूतवाहन ने 'दायभाग' नामक ग्रंथ की रचना की। हेमाद्रि 13वीं शताब्दी में कर्नाटक के विद्वान थे। इन्होंने आयुर्वेद के ग्रंथ अष्टांग हृदय पर टीका लिखी है। इसके अलावा इन्होंने चतुर्वर्ग चिन्तामणि नामक पुस्तक लिखी तथा राज कार्यों के लिए नियमों पर भी पुस्तक लिखी है, अतः यह भी मध्यकालीन विधिवेत्ता थे। राजशेखर गुर्जर-प्रतिहार शासक महेंद्रपाल प्रथम एवं उसके पुत्र महीपाल के दरबार में रहते थे, इन्होंने कर्पूरमंजरी, काव्यमीमांसा, विद्धशालभंजिका, बालरामायण, भुवनकोश, हरविलास जैसे ग्रंथों की रचना की।

39. महान संस्कृत कवि एवं नाटककार राजशेखर निम्न में से किसके दरबार से संबंधित थे?

(a) राजा भोज (b) महिपाल
(c) महेंद्रपाल प्रथम (d) इन्द्र तृतीय

R.A. S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b&c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. सूची-I (राजवंश) एवं सूची-II (राजधानी) को कूट के आधार पर मिलाइए–

(सूची-I)	(सूची-II)
1. प्रतिहार	अ. तंजौर
2. चोल	ब. अन्हिलवाड़
3. परमार	स. धारा
4. सोलंकी	द. कन्नौज

कूट :

(a) 1-द, 2-ब, 3-स, 4-अ (b) 1-द, 2-स, 3-ब, 4-अ
(c) 1-द, 2-ब, 3-अ, 4-स (d) 1-द, 2-अ, 3-स, 4-ब

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(d)

प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट को माना जाता है, किंतु वास्तविक संस्थापक वत्सराज था। प्रतिहार वंश का सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासक मिहिरभोज था। प्रतिहारों की राजधानी कन्नौज थी। चोल साम्राज्य की स्थापना विजयालय ने की थी। तंजौर चोलों की राजधानी थी। परमार वंश का वास्तविक संस्थापक सीयक द्वितीय था। परमारों की राजधानी धारा थी। चालुक्य अथवा सोलंकी अग्निकुलीन राजपूत थे। इस वंश का संस्थापक मूलराज प्रथम था। सोलंकियों की राजधानी अन्हिलवाड़ थी।

41. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

राजा		राजवंश
1. नान्नुक	-	चंदैल
2. जयशक्ति	-	परमार
3. नागभट्ट द्वितीय	-	गुर्जर-प्रतिहार
4. भोज	-	राष्ट्रकूट

उपर्युक्त युग्मों में कितने सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक युग्म
(b) केवल दो युग्म
(c) केवल तीन युग्म
(d) सभी चारों युग्म

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

विकल्पगत राजाओं में नन्नुक, चंदेल वंश का संस्थापक है। जयशक्ति भी चंदेल वंश का शासक है। नागभट्ट II गुर्जर-प्रतिहार वंश का शासक है तथा भोज परमार वंश का शासक है।

42. गुर्जर-प्रतिहार वंश की स्थापना की थी–

(a) नागभट्ट प्रथम (b) वत्सराज
(c) हर्षवर्धन (d) मिहिरभोज

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002
U.P.P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(a)

अग्निकुल के राजपूतों में सर्वाधिक प्रसिद्ध प्रतिहार वंश था। गुर्जरों की शाखा से संबंधित होने के कारण इतिहास में इसे गुर्जर-प्रतिहार वंश के नाम से जाना जाता है। गुर्जर-जाति का प्रथम उल्लेख पुलकेशिन द्वितीय के ऐहोल लेख में हुआ है। बाणभट्ट के हर्षचरित में भी गुर्जरों का उल्लेख मिलता है। गुर्जर-प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम (730-756 ई.) था। ग्वालियर अभिलेख से पता चलता है कि उसने म्लेच्छ शासक की विशाल सेना को नष्ट कर दिया था, जो संभवतः सिंध का अरब शासक था। इस प्रकार नागभट्ट ने अरबों के आक्रमण से पश्चिम भारत की रक्षा भी की थी।

Scanned with OKEN Scanner

43. राजवंश जो कन्नौज पर आधिपत्य स्थापित करने में त्रिकोणीय संघर्ष में उलझे हुए थे, वह थे–

1. चोल
2. पाल
3. गुर्जर
4. राष्ट्रकूट

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(a) 1, 2 एवं 3 (b) 1, 2 एवं 4
(c) 2, 3 एवं 4 (d) 1, 3 एवं 4

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(c)

हर्ष की मृत्यु के बाद कन्नौज विभिन्न शक्तियों के आकर्षण का केंद्र बन गया। इसे वही स्थान प्राप्त हुआ जो गुप्त युग तक मगध का था। इसे 'महोदय', 'महोदयश्री' आदि नामों से अभिव्यक्त किया गया है। अतः इस पर अधिकार करने के लिए आठवीं सदी की तीन बड़ी शक्तियों–पाल, गुर्जर-प्रतिहार तथा राष्ट्रकूट के बीच त्रिकोणीय संघर्ष प्रारंभ हो गया, जो आठवीं-नवीं शताब्दी के उत्तर भारत के इतिहास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस संघर्ष में अंततः प्रतिहारों को सफलता मिली।

44. निम्नलिखित में से कौन त्रिकोणात्मक संघर्ष का हिस्सा नहीं था?

(a) प्रतिहार (b) पाल
(c) राष्ट्रकूट (d) चोल

U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. महोदया किसका पुराना नाम है?

(a) इलाहाबाद
(b) खजुराहो
(c) कन्नौज
(d) पटना

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

46. निम्नलिखित में से किसे 'नगर महोदय श्री' के नाम से जाना जाता था?

(a) महोबा (b) काम्पिल्य
(c) मथुरा (d) कन्नौज

U.P. Lower Sub. (Mains) 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

47. निम्नलिखित में से किस राष्ट्रकूट शासक ने प्रतिहार शासक नागभट्ट द्वितीय को हराया था?

(a) ध्रुव (b) गोविंद तृतीय
(c) इंद्र तृतीय (d) कृष्ण तृतीय

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

गोविंद तृतीय, राष्ट्रकूट शासक ध्रुव का उत्तराधिकारी था। दक्षिण भारत में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के उपरांत उसने उत्तर भारत पर आक्रमण किया। अपने उत्तर भारत अभियान के क्रम में गोविंद ने गुर्जर-प्रतिहार शासक नागभट्ट द्वितीय को पराजित किया था। गोविंद की इस विजय का उल्लेख संजय तथा राधनपुर ताम्रपत्र में किया गया। है। ध्यातव्य है कि गोविंद तृतीय से पूर्व राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने अपने उत्तर भारत अभियान के क्रम में गुर्जर-प्रतिहार शासक वत्सराज को पराजित किया था।

48. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(पूर्व मध्यकालीन उत्तर प्रदेश के शहर)		(वर्तमान अवस्थिति)
(a) कोल/कोइल	-	अलीगढ़
(b) महोत्सव नगर	-	महोबा
(c) महोदय श्री	-	कन्नौज
(d) जेजाकभुक्ति	-	कौशाम्बी

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है–

(पूर्व मध्यकालीन उत्तर प्रदेश के शहर)	(वर्तमान अवस्थिति)
कोल/कोइल	अलीगढ़
महोत्सव नगर	महोबा
महोदय श्री	कन्नौज
जेजाकभुक्ति	बुंदेलखंड

49. निम्नलिखित में से किसने खंभात में तोड़ी गई मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की थी?

(a) चामुंडराय
(b) जयसिंह सिद्धराज
(c) कुमारपाल
(d) महिपाल देव

U.P.P.C.S. (Pre) 1999
R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

गुजरात का चालुक्य शासक जयसिंह सिद्धराज एक धर्म सहिष्णु शासक था। मुस्लिम लेखक मुहम्मद औफी का कहना है कि खंभात में कुछ मस्जिदों हेतु उसने एक लाख बालोम (मुद्राएं) दान में दी थीं।

50. 'परमार वंश' का संस्थापक कौन था?

(a) अजय पाल
(b) कनक पाल
(c) कनक रॉव
(d) जगत पाल

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(*)

परमार वंश की स्थापना दसवीं शताब्दी ईस्वी के प्रथम चरण में उपेंद्र अथवा कृष्णराज नामक व्यक्ति ने की थी। धारा नामक नगरी परमार वंश की राजधानी थी। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) 'कनक पाल' माना है, जबकि इस प्रश्न का सही उत्तर उपेंद्र अथवा कृष्णराज है।

51. राजा भोज ने शासन किया–

(a) बस्तर पर (b) धारा पर
(c) महाकौशल पर (d) उज्जैन पर

M.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

राजा भोज परमार शासक था, परमारों का पहले शासन केंद्र उज्जैन था तत्पश्चात राजधानी धारा में स्थानांतरित कर दी गई। राजा भोज ने धारा से शासन किया। भोज की मृत्यु के पश्चात विद्वानों ने धारा नगरी के बारे में कहा है–

"अद्य धारा निराधारा, निरालंबा सरस्वती,
पंडिताः खंडिताः सर्वे भोज राजे दिवंगते।।"

52. निम्नलिखित में से किसने काल्पनिक वैज्ञानिक उपकरणों पर पुस्तक लिखी है?

(a) भोज (b) गोविंदराज
(c) चंद्रवर्मन (d) महीपाल

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

परमार वंशीय शासक भोज द्वारा कृत्रिम वैज्ञानिक उपकरणों पर लिखी गई प्रसिद्ध पुस्तक 'युक्तिकल्पतरु' तथा 'समरांगणसूत्राधार' है। भोज ने युक्तिकल्पतरु में नाव बनाने की विधियों का वर्णन किया है। 'सरस्वती कंठाभरण', 'सिद्धांत संग्रह', 'योग सूत्र वृत्ति', 'राजमार्तंड', 'विद्या विनोद' तथा 'चारुचर्या' इनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाएं हैं। प्रारंभ में आयोग ने इसका उत्तर विकल्प (a) को माना था, परंतु अपने संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) कर दिया।

53. 'भोजशाला मंदिर' की अधिष्ठात्री देवी हैं–

(a) भगवती दुर्गा
(b) भगवती पार्वती
(c) भगवती लक्ष्मी
(d) भगवती सरस्वती

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर–(d)

भोजशाला मंदिर म.प्र. के धार जिले में स्थित है। यहां पर वाग्देवी (भगवती सरस्वती देवी) अधिष्ठात्री (स्थापित) हैं। ध्यातव्य है कि भोजशाला का निर्माण परमार शासक राजा भोज ने संस्कृत पाठशाला के रूप में करवाया था। अब भोजशाला कमाल मौला मस्जिद परिसर में स्थित है।

54. इनमें से कौन परमार वंश का शासक नहीं था?

(a) उपेंद्र (b) मुंज
(c) गांगेयदेव (d) उदयादित्य

M.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

गांगेयदेव कलचुरी वंश का एक शक्तिशाली शासक था, जिसने 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की। पूर्व मध्यकाल में स्वर्ण सिक्कों के विलुप्त हो जाने के पश्चात इन्होंने सर्वप्रथम इसे प्रारंभ करवाया। उपेंद्र, मुंज एवं उदयादित्य ये सभी परमारवंशी शासक थे।

55. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

प्रसिद्ध स्थान		क्षेत्र
1. बोधगया	-	बघेलखंड
2. खजुराहो	-	बुंदेलखंड
3. शिरडी	-	विदर्भ
4. नासिक	-	मालवा
5. तिरुपति	-	रायलसीमा

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

(a) 1, 2 और 4
(b) 2, 3, 4 और 5
(c) केवल 2 और 5
(d) 1, 2, 4, और 5

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

प्रसिद्ध स्थान		क्षेत्र
बोधगया	-	बिहार
खजुराहो	-	बुंदेलखंड
शिरडी	-	अहमदनगर, महाराष्ट्र
नासिक	-	महाराष्ट्र
तिरुपति	-	रायलसीमा, आंध्र प्रदेश

Scanned with OKEN Scanner

56. गौडवहो के रचयिता थे-

(a) हरिषेण (b) आर्यभट्ट

(c) वाक्पति (d) बाणभट्ट

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(c)

'गौडवहो' कन्नौज के राजा यशोवर्मन के राजाश्रित कवि वाक्पति की रचना है।

57. मध्यकालीन भारत के आर्थिक इतिहास के संदर्भ में शब्द 'अरघट्टा' (Araghatta) किसे निरूपित करता है?

(a) बंधुआ मजदूर

(b) सैन्य अधिकारियों को दिए गए भूमि अनुदान

(c) भूमि की सिंचाई के लिए प्रयुक्त जलचक्र (वाटर व्हील)

(d) कृषि भूमि में बदली गई बंजर भूमि

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

मध्यकाल में अरघट्टा भूमि की सिंचाई के लिए प्रयुक्त जलचक्र (वाटर व्हील) था।

58. 'कश्मीर का अकबर' नाम से प्रसिद्ध सुल्तान था-

(a) सुल्तान शमसुद्दीन शाह

(b) सुल्तान कुतुबुद्दीन

(c) सुल्तान सिकंदर

(d) सुल्तान जैनुल आबिदीन

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

अकबर के समान धर्म सहिष्णु एवं सामाजिक कार्यों के लिए सुल्तान जैनुल आबिदीन को 'कश्मीर का अकबर' कहा जाता है। उसने संस्कृत के अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों का अनुवाद कराया तथा श्रीभट्ट और मंसूर बिन अहमद जैसे वैद्यों को संरक्षण प्रदान किया था।

59. कश्मीर के शासक जैन-उल-आबिदीन का वास्तविक नाम क्या था?

(a) अलीशाह

(b) हसनशाह

(c) हैदरशाह

(d) शाही खां

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(d)

1420 ई. में अलीशाह का भाई शाही खां, जैन-उल-आबिदीन के नाम से कश्मीर के सिंहासन पर बैठा। वह कश्मीर का सबसे महान शासक हुआ। वह धार्मिक दृष्टि से अत्यधिक सहिष्णु था। उसकी धार्मिक उदारता के कारण उसकी तुलना मुगल बादशाह अकबर से की जाती है। उसने हिंदुओं पर लगने वाला जजिया कर हटा दिया, ऐसा करने वाला वह प्रथम शासक था। उसने गोहत्या को निषिद्ध कर दिया। उसके समय में महाभारत, दशावतार तथा राजतरंगिणी का फारसी में अनुवाद किया गया।

60. कर्नाट वंश का संस्थापक कौन था?

(a) नान्यदेव (b) नरसिंहदेव

(c) विजयदेव (d) हरिदेव

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

कर्नाट वंश के संस्थापक नान्यदेव (1097-98 ई.) थे। वे एक महान योद्धा थे। नान्यदेव ने कर्नाट की राजधानी सिमरॉवगढ़ को बनाया। कर्नाट वंश का शासनकाल (1097/98 - 1325 ई.) मिथिला का स्वर्ण युग कहलाता है।

61. कर्नाट वंश का अंतिम शासक कौन था?

(a) हरिसिंह (b) रामसिंह

(c) मतिसिंह (d) श्यामसिंह

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

कर्नाट वंश के अंतिम शासक हरिसिंह देव या हरिसिंह (1284/85-1325 ई.) थे। ये कला और साहित्य के महान संरक्षक थे।

62. 'कुरुसपाल शिलालेख' में किस राजा के बारे में जानकारी मिलती है?

(a) हर्षगुप्त

(b) महाप्रवरराज

(c) सोमेश्वर प्रथम

(d) महाशिवगुप्त बालार्जुन

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के कुरुसपाल गांव से सोमेश्वर I का शिलालेख प्राप्त हुआ है। संस्कृत भाषा में रचित यह अभिलेख 39 पंक्तियों का है। इसमें सोमेश्वर द्वारा ग्राम दान का विवरण प्राप्त होता है।

Scanned with OKEN Scanner